सत्यमेव जयते

प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

SIQE के अन्तर्गत

लर्निंग आउटकम्स अनुरूप सी.सी.ई./सी.सी.पी./ए.बी.एल. आधारित

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट)

कक्षा : 1 से 5 तक

विषय : पर्यावरण अध्ययन

सत्र 2020–2021

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

अधिगम प्रतिफल आधारित शिक्षण आकलन प्रक्रिया एवं संरचना

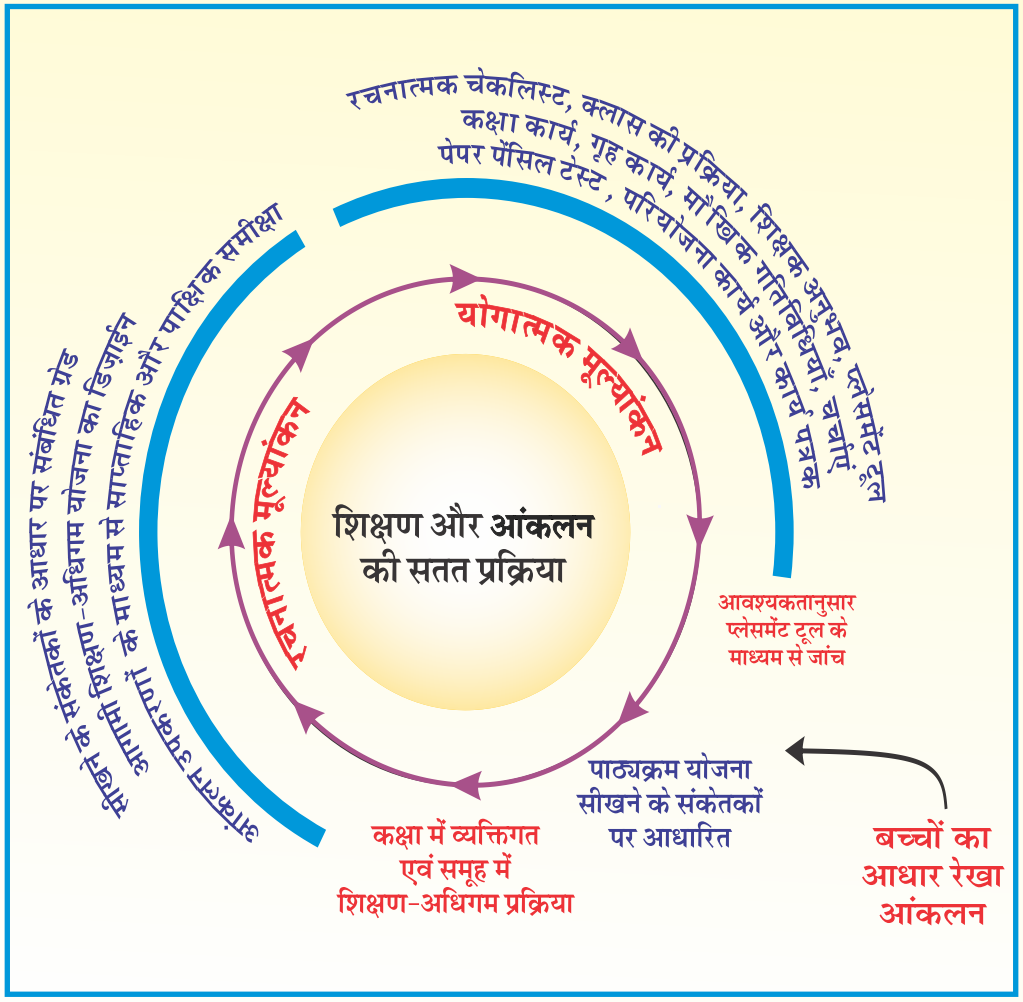

सहभागी संस्थाएँ

unicef
for every child

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट) की प्रविष्टियों के लिए निर्देश

- यह पुस्तिका शिक्षक द्वारा वर्ष पर्यन्त विद्यार्थियों के साथ किए गए कार्यों की प्रगति का आईना है।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत पुस्तिका में विद्यार्थियों के अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन को दर्ज किया जाना है।
- प्रस्तुत पुस्तिका में 2 प्रमुख क्षेत्र है–

1. सतत रचनात्मक आकलन का विवरण :–

- इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–25 तक अंकित है।
- इस प्रारूप में शिक्षक कक्षा में कार्य करते हुए विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के कॉलम में A/B/C ग्रेड दर्ज करेंगे, जिनमें पूर्ति कर ग्रेड अंकित की जानी है।
- कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में रचनात्मक आकलन में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड A/B/C दर्ज की जानी हैं।
- कक्षा में 25 से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अतिरिक्त पृष्ठ उपयोग में लिया जाना हैं।

2. टर्मवार योगात्मक आकलन :–

- इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–25 तक अंकित है।
- इस प्रारूप में शिक्षक पोर्टफोलियों, रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, मौखिक क्रियाएँ परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया, शिक्षक अनुभव एवं समयावधि पर किए जाने वाले पेपर पेंसिल टेस्ट के आधार पर ग्रेड दर्ज करेंगे।
- ध्यान रहे कि योगात्मक मूल्यांकन से समेकित ग्रेड वार्षिक अभिलेख पंजिका में दर्ज करनी होगी। चूंकि यह शिक्षक की स्वायत्तता का क्षेत्र है, अतः इसका कोई गणितीय सूत्र निर्धारित नहीं है।
- कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में योगात्मक मूल्यांकन **SA-I** व **SA-III** में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड **A/B/C** दर्ज की जानी हैं।
- टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए योगात्मक मूल्यांकन दर्ज किया जाए।
- कक्षा 5 के अंतर्गत तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर आयोज्य प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन के समय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाना है।

- **ग्रेड लिखने का आधार –**
  - **A** =स्वतन्त्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना।
  - **B** =शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना।
  - **C** =शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना।

विद्यार्थियों के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) का टर्मवार विवरण

नामांकित कक्षा	कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	कक्षा 4	कक्षा 5
	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक
टर्म - 1 के प्रारम्भ की स्थिति					
टर्म - 2 के प्रारम्भ की स्थिति					
टर्म - 3 के प्रारम्भ की स्थिति					
सत्रान्त की स्थिति					

टर्म 1 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक ↓ / अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
परिवार के सदस्यों के मध्य आपसी संबंधों को पहचान कर समझ पाना एवं निर्देशों की पालना कर पाना।																									
स्वच्छ एवं गंदे कपड़ों तथा पानी आदि में अंतर कर पाना।																									
परिवेश से संबंधित स्थल/चित्रों को देखकर पहचान कर पाना यथा–पेड़ पौधों, जल स्रोतों, भोजन, शरीर के अंग, पोशाक आदि।																									
संप्रेषण करना (अभिव्यक्ति/चर्चा)																									
प्राप्त अनुभव एवं जानकारी के आधार पर आपसी संबंधों, सार्वजनिक स्थानों, पेड़–पौधों, जल स्त्रोतों एवं भोज्य पदार्थों के नाम एवं स्वाद बता पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
दिये गए/बड़े समूह में से वर्गीकरण के बिन्दुओं के आधार पर उपसमूह बना पाना।																									
व्याख्या / विश्लेषण करना																									
देखी गई वस्तुओं/व्यक्तियों/साधनों/जीव–जंतुओं/सुनी हुई कहानियों/जानकारियों की तथ्यों के आधार पर व्याख्या कर पाना।																									
प्रश्न करना																									
विषयवस्तु एवं परिवेशीय जानकारी हेतु परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित उपलब्ध सामग्री से नई चीज बना पाना (जैसे–कागज से नाव, हवाईजहाज, मिट्टी के घर आदि)																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
पेड़–पौधों की देखभाल करना एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।																									

टर्म 2 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 1

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित स्थानीय मेलों/दर्शनीय स्थलों के बारे में बता पाना।																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
प्राप्त अनुभवों/जानकारी के आधार पर खाद्य सामग्री के उत्पादन में लगे व्यक्तियों के बारे में बता पाना।																									
अपने अनुभवों को सुना पाना, जैसे–मेले, दर्शनीय स्थल इत्यादि।																									
वर्गीकरण करना																									
परिवार के सदस्यों के कार्यों का वर्गीकरण कर पाना।																									
बड़े समूह में से वर्गीकरण के आधार पर उपसमूह बना पाना।																									
व्याख्या/विश्लेषण करना																									
अपने घर व परिवेश के बारे में व्याख्या कर पाना।																									
प्रश्न करना																									
विभिन्न प्रकार के व्यवसायों से जुड़े लोगों से प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
विभिन्न प्रकार के पक्षियों व जन्तुओं के आवासों के चित्र बना पाना।																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
जीव–जन्तुओं के प्रति संवेदनशील होना।																									

टर्म 3 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 1

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
चित्रों को देखकर यातायात व संचार के साधनों को पहचान कर पाना।																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
प्राप्त अनुभवों/जानकारी के आधार पर यातायात, संचार के साधनों के बारे में समझ के आधार पर अपनी बात कह पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
यातायात व संचार के साधनों में अंतर कर पाना।																									
व्याख्या/विश्लेषण करना																									
विभिन्न प्रकार के साधनों एवं ईंधन के उपयोग की व्याख्या कर पाना।																									
प्रश्न करना																									
परिवार/गांव/मोहल्ले के लोगों से उनके उपयोग में लिए जाने वाले साधनों के बारे में प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
विभिन्न प्रकार के यातायात व संचार के साधनों के मॉडल/चित्र बना पाना।																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।																									
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																									
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली व्यक्तियों के कार्यो को समझकर उनकी प्रशंसा व सम्मान कर पाना।																									

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

कक्षा–1

(योगात्मक मूल्यांकन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएं, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं, शिक्षक–अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर–पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																										
मेले/दर्शनीय स्थल/यातायात के साधनों को पहचान कर उनके बारे में बता पाना।	I																									
	III																									
स्वच्छ व गंदे कपडों एवं पानी में अंतर कर पाना।	I																									
	III																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																										
अवलोकन, जानकारी एवं विचार को बता पाना, जैसे–यातायात एवं संचार के साधन, फसल उत्पादन में लगे लोगों/पेड़–पौधों/आपसी सम्बन्धो/ सार्वजनिक स्थानों/ जलस्रोतों/भोज्य पदार्थों के नाम इत्यादि।	I																									
	III																									
अपने अनुभवों को सुना पाना, जैसे–मेले/दर्शनीय स्थल/यातायात एवं संचार के साधन इत्यादि।	I																									
	III																									
विषयवस्तु आधारित अपने विचार समूह में रख पाना।	I																									
	III																									
वर्गीकरण करना																										
दिये गये समूह में से समान/असमान वस्तुओं को पहचान पाना यथा परिवार के सदस्यों के कार्यों, यातायात के साधन आदि।	I																									
	III																									
बड़े समूह में से वर्गीकरण के बिन्दुओं के आधार पर उपसमूह बना पाना।	I																									
	III																									

व्याख्या / विश्लेषण करना																												
देखी गई वस्तुओं, जैसे–मेले, आस–पास के स्थान, जीव–जन्तु, यातायात/संचार के साधन के आधार पर व्याख्या कर पाना।	I																											
	III																											
प्रश्न करना																												
विषयवस्तु के संबंध में परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना, जैसे– पेड़–पौधों/यातायात/संचार के साधन/जीव–जन्तुओं के आवास आदि।	I																											
	III																											
प्रयोग करना																												
विषयवस्तु से सम्बन्धित सामग्री से नई चीज बना पाना, (जैसे–कागज से नाव, हवाईजहाज, जीव–जन्तुओं के आवास आदि।	I																											
	III																											
न्याय व समता के प्रति सरोकार																												
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधा–वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																											
	III																											
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना, यथा जीव–जन्तु, पेड़–पौधे सार्वजनिक स्थल इत्यादि।	I																											
	III																											
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																												
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली व्यक्तियों के कार्यो को समझकर उनकी प्रशंसा व सम्मान कर पाना।	I																											
	III																											

निर्देश–शिक्षक पेपर पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक मूल्यांकन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए तथा योगात्मक आकलन लेते समय निर्धारित पाठ्यक्र को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाए।

टर्म 1 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक / अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
परिवार के आपसी रिश्तों को समझकर बता पाना एवं आस–पास के सार्वजनिक स्थानों और जलस्रोंतों का अवलोकन कर पाना।																									
परिवेश से संबंधित चित्र देखकर बता पाना यथा–नहरों, कुओं, नलकूपों, घरों, जीव–जन्तुओं इत्यादि।																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
प्राप्त अनुभवों/जानकारी के आधार पर भोजन के स्वाद को बता पाना।																									
विभिन्न मौसम के आधार पर अपने अनुभवों को सुना पाना।																									
जल के उपयोग पर आपस में चर्चा कर अपने विचार समूह में रख पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
शरीर के अंगों (यथा–हाथ, पैर, ऑख, नाक, कान इत्यादि) के कार्यों में अंतर कर पाना।																									
विभिन्न प्रकार की वेशभूषा एवं मौसम के अनुसार पहने जाने वाले वस्त्रों के बारे में बता पाना।																									
व्याख्या /विश्लेषण करना																									
भोजन/पानी संबंधी अच्छी आदतों की व्याख्या कर पाना।																									
प्रश्न करना																									
सार्वजनिक स्थलों के बारे में परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
परिवेश में उपलब्ध सामग्री के आधार पर विषयवस्तु से जुड़ी नई चीजों को बना पाना एवं वस्तुओं के चित्र बना पाना।																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।																									
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।																									

टर्म 2 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 2

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक / अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
आस–पास के मेलों का भ्रमण/अवलोकन कर उनकी जानकारी दे पाना।																									
स्थानीय परिवेश में पाये जाने वाले जीव–जन्तुओं के आवासों को पहचान कर नाम बता पाना।																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
अवलोकन के आधार पर मेले में देखी गई वस्तुओं के प्रति विचार रख पाना।																									
खाद्य–पदार्थों के स्वाद के प्रति अपने अनुभवों को सुना पाना एवं स्थानीय फसलों के नाम बता पाना।																									
चित्र देख कर प्रेरक लोगों के नाम बता पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
भवन–निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री को पहचान पाना।																									
आस–पास के घरों को देखकर अंतर कर पाना। (कच्चा, पक्का, मंजिलों व रंग–रोगन के आधार पर)																									
व्याख्या / विश्लेषण करना																									
आस–पास बोई जाने वाली फसलों की व्याख्या कर पाना।																									
प्रश्न करना																									
परिचित एवं अपरिचित लोगों से उनके व्यवसाय के बारे में प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित उपलब्ध सामग्री से घर के मॉडल, चित्र बना पाना।																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
अन्यथा अक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।																									
सार्वजनिक स्थलों एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।																									

टर्म 3 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 2

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक / अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
रेखाचित्रों में यातायात/संचार के प्रमुख साधनों की पहचान कर पाना।																									
परिवेश से संबंधित चित्र देखकर बता पाना।																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
प्रयुक्त ईंधन के आधार पर यातायात के साधनों को बता पाना।																									
सड़क सुरक्षा से संबंधित अपने अनुभवों को सुना पाना।																									
आपस में चर्चा कर अपने विचार समूह/उपसमूह में रख पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
यातायात/संचार के साधनों में अंतर कर पाना।																									
विभिन्न आधारों पर बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।																									
व्याख्या/विश्लेषण करना																									
देखी गई वस्तुओं यथा यातायात/संचार के साधनों की व्याख्या कर पाना।																									
प्रश्न करना																									
परिचित/अपरिचित लोगों से सड़क सुरक्षा व यातायात के संकेतों से संबंधित प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित उपलब्ध सामग्री से सड़क सुरक्षा व यातायात संकेत बना पाना।																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।																									
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।																									
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																									
अपने से बड़ों का सम्मान करना और कार्यों की प्रशंसा कर पाना।																									
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों का सम्मान एवं उनके गुणों की प्रशंसा कर पाना।																									

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

कक्षा–2

(योगात्मक मूल्यांकन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएं, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सुचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																										
आस–पास के सार्वजनिक स्थलों / मेलों / यातायात / संचार के साधनों के रेखाचित्रों / चित्रों को पहचान पाना।	I																									
	III																									
विषयवस्तु आधारित वस्तुओं को पहचान पाना, जैसे– जलस्रोत–नहर / कुंए / नलकूप, जीव–जन्तुओं के आवास, यातायात के साधन आदि।	I																									
	III																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति / चर्चा) करना																										
अवलोकन, जानकारी के आधार पर भोजन की अच्छी आदतों / स्वाद, जीव–जन्तु के आवास के बारे में बता पाना।	I																									
	III																									
विषयवस्तु से संबंधित अपने अनुभवों को सुना पाना जैसे–मौसम से संम्बन्धित, मेले में देखी गई वस्तुए, सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित आदि।	I																									
	III																									
आपस में चर्चा कर अपने विचार समूह में रख पाना यथा–जल का उपयोग, प्रेरक लोग आदि।	I																									
	III																									
वर्गीकरण करना																										
शरीर के अंगों के कार्य, घर निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, यातायात / संचार के साधनों को पृथक कर पहचान पाना।	I																									
	III																									
बड़े समूह में से वर्गीकरण के आधार पर उपसमूह बना पाना।	I																									
	III																									

व्याख्या / विश्लेषण करना																												
भोजन/पानी सम्बन्धित अच्छी आदतें, आस–पास पैदा की जाने वाली फसलें, यातायात/संचार के साधनों की व्याख्या कर पाना।	I																											
	III																											
प्रश्न करना																												
परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना यथा मेले, दर्शनीय स्थल, व्यवसाय, सड़क, यातायात के संकेतों इत्यादि।	I																											
	III																											
प्रयोग करना																												
उपलब्ध सामग्री से नई चीज बना पाना (जैसे–सड़क यातायात के संकेत, घर निर्माण आदि)	I																											
	III																											
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																											
	III																											
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट बना पाना।	I																											
	III																											
न्याय व समता के प्रति सरोकार																												
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																											
	III																											
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।	I																											
	III																											
विशेष योग्यजन एवं बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																											
	III																											
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																												
अपने से बड़ों का सम्मान कर पाना और कार्यों की प्रशंसा कर पाना।	I																											
	III																											
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों का सम्मान एवं उनके गुणों की प्रशंसा कर पाना।	I																											
	III																											

निर्देश–शिक्षक पेपर पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक मूल्यांकन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए तथा योगात्मक आकलन लेते समय निर्धारित पाठ्यक्र को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाए।

टर्म 1 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक / अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
परिवार के सदस्यों के मध्य संबंधों, परिवेश में उपलब्ध पेड़–पौधों के भागों/जीव–जन्तुओं को उनके सामान्य लक्षणों/जल–स्रोतों/भोजन से संबंधित आदतों/राजस्थान की खाद्यान्न फसलों के बारें में बता पाना।																									
दैनिक क्रियाकलापों व स्वच्छता को जान पाना।																									
विभिन्न खेलों (स्थानीय/इण्डोर/आउटडोर) के नियमों/व्यायामों का अवलोकन कर पहचान पाना।																									
विषय–सामग्री से संबंधित तस्वीरों, चन्द्रमा व उसकी कलाओं व सारणियों को समझकर पढ़ पाना एवं अनुभवों के आधार पर लिखना।																									
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
विषयवस्तु से संबंधित सूचनाओं/वर्णन/टिप्पणियों को परिवेशीय अवलोकन/अनुभव/जानकारी के आधार पर व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त कर पाना (मौखिक लिखित/ रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)																									
स्वच्छता/खेलकूद/पेड़–पौधों/जीव–जंतुओं के बारें में अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।																									
विषय–वस्तु से संबंधित दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
परिवेशीय जानकारी एवं अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर पहचान पाना।																									
परिवार/पेड़–पौधों/जीव–जन्तुओं में समानताओं/असमानताओं के आधार पर बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।																									

व्याख्या / विश्लेषण करना																								
भोजन की पौष्टिकता एवं कुपोषण की व्याख्या कर पाना।																								
परिवार में सदस्यों की भूमिका, परिवार का प्रभाव (परिवार के आनुवाशिंक गुणों / व्यवहारों) व साथ रहने की आवश्यकता की व्याख्या कर पाना।																								
विभिन्न जीव–जंतुओं के लिए भोजन तथा पानी की उपलब्धता का वर्णन कर पाना।																								
प्रश्न करना																								
परिवार, दिव्यांग, स्वच्छता, खेल, पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं, जल–संरक्षण एवं भोजन के बारे में जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित / अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																								
प्रयोग करना																								
विषयवस्तु से संबंधित गतिविधि / जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।																								
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नारा / कविता / मॉडल / चार्ट / पोस्टर की रचना कर पाना यथा–पक्षियों की चोंच व उनकी उपयोगिता / जल शुद्धिकरण।																								
न्याय व समता के प्रति सरोकार करना																								
दिव्यांगों, बुजुर्ग व्यक्तियों, पक्षियों एवं जीव–जन्तुओं के प्रति संवेदनशील होना।																								
अच्छे–बुरे स्पर्श व जेंडर के सन्दर्भ में व्याप्त रूढ़िओं एवं पानी के अपव्यय / दुरूपयोग के प्रति सचेत रहते हुए आवाज उठा पाना।																								
पर्यावरण के प्रति जागरूक रह पाना एवं मित्रों के साथ खेल / शिक्षण / अन्य कार्यों में सहयोगात्मक व्यवहार कर पाना।																								
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																								
घर / विद्यालय / आस–पास के प्रेरक व्यक्तित्व, गौरवशाली लोगों के कार्यों का सम्मान एवं सहपाठियों के गुणों की प्रशंसा कर पाना।																								

टर्म 2 : **सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** **कक्षा 3**

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक \ अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
परिवेश में उपलब्ध भोजन की विविधता से संबंधित सूचनाओं को बता पाना।																									
अलग–अलग प्रकार के बर्तन, चूल्हे, ईंधन, भोजन एवं धूम्रपान के दुष्प्रभावों के बारे में जान पाना।																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं को पहचान पाना। (यथा–भोजन पकाने, मिट्टी के बर्तन व खिलौने बनाने इत्यादि)																									
विषयवस्तु से संबंधित तस्वीरों, सारणियों, नजरी नक्शों व मानचित्रों को दिए गए संकेतों/दिशाओं के आधार पर पहचान कर पढ़ पाना।																									
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
विषयवस्तु के आधार पर भोजन से संबंधित अच्छी आदतों, गौरवशाली व्यक्तियों के कार्यों लोक देवी–देवताओं के कार्यो, विभिन्न काम–धंधों, मानव/जीव–जन्तुओं के आवास के संबंध में अपने अनुभव/राय/जानकारी/विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।																									
भोजन के दुरूपयोग/अमानक इकाइयों/ईंधन के स्रोत/ऐतिहासिक स्थल/महान लागों/त्योहारों से जुड़े अपने अनुभव पर साथियों के साथ चर्चा कर पाना।																									
विषयवस्तु से संबंधित मुद्दों पर दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना यथा–अलग–अलग प्रकार के घर, आपातकालीन स्थितियों की समझ आदि।																									
वर्गीकरण करना																									
भोजन एवं ईंधन से संबंधित जानकारी को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।																									
विशेषताओं के आधार पर भोजन/ईंधन/पक्षियों/जन्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।																									
वर्तमान तथा पूर्व की वस्तुओं और गतिविधियों (जैसे–कपड़े, बर्तन, खिलौने, व्यवसाय, मेले आदि) में अन्तर कर सूची बना पाना।																									

व्याख्या/विश्लेषण करना																										
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न त्योहार, पर्व, आवास, व्यवसाय इत्यादि का अवलोकन के आधार पर व्याख्या करना।																										
प्रेरक व्यक्तित्व एवं गौरवशाली व्यक्तियों के कार्यों की व्याख्या कर पाना।																										
विषय–वस्तु से संबंधित जानकारियों/तथ्यों/अमानक इकाइयों का अनुमान/मात्राओं का आकलन/अवलोकन के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।																										
प्रश्न करना																										
भोजन की विविधता और महान लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																										
पर्व, त्योहार, आवास, मानचित्र, आपातकालीन स्थिति, व्यवसाय और व्यवसायी लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																										
प्रयोग करना																										
भोजन/बर्तन/खिलौने आदि बनाने की प्रक्रिया के चरणों को क्रमबद्ध करना।																										
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए घर/विद्यालय/ आस–पास के क्षेत्र का चित्र/नजरी नक्शा/सरल मानचित्र/डिजाइन/ त्रिआयामी मॉडल आदि की रचना कर पाना।																										
न्याय व समता के प्रति सरोकार																										
जीव–जन्तुओं/पेड़–पौधों के लिए भोजन, पानी एवं उनकी देखभाल/लिंग व आयु के साथ काम के विभाजन के प्रति संवेदनशील होना।																										
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना, भोजन के संबंध में रूढ़िबद्धताओं के प्रति आवाज उठाना और प्रश्न कर पाना।																										
ऐतिहासिक घटनाओं/स्थलों के महत्त्व के प्रति जागरूक रह पाना।																										
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																										
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्य एवं योगदान का सम्मान कर पाना।																										
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली/व्यवसायी/ लोगों के गुणों की प्रशंसा कर पाना।																										
राष्ट्रीय पर्व, प्रतीक और त्योहारों के बारे में जानकर सम्मान करना।																										

टर्म 3 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 3

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक \ अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
परिवेश में उपलब्ध व्यवसाय/संचार/यातायात के साधनों की पहचान कर पाना।																									
विभिन्न व्यवसायों/साधनों के बीच अन्तर/समानता खोज पाना।																									
विभिन्न व्यवसायों/संचार/यातायात के साधनों के कार्यों की एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं को पहचान पाना।																									
विषयवस्तु से संबंधित तस्वीरों, सारणियों को समझकर पढ़ पाना।																									
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
विषयवस्तु के वर्णन, टिप्पणी, सूचनाओं आदि के आधार पर क्षेत्रीय यातायात व संचार के साधनों से संबंधित जानकारी एवं अपने विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।																									
व्यवसाय/यातायात व संचार के साधनों से संबंधित अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना एवं रिकॉर्ड कर पाना।																									
दूसरों के विचारों व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
विभिन्न व्यवसायों, संचार व यातायात के साधनों को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना (यथा–जलमार्ग, स्थलमार्ग एवं वायुमार्ग)																									
विभिन्न व्यवसाय, संचार व यातायात के साधनों के समानता/असमानता के आधार पर समूह बनाकर पहचान कर पाना।																									
व्याख्या/विश्लेषण करना																									
संचार व यातायात के साधनों की उपयोगिता की व्याख्या कर पाना।																									
विषयवस्तु से संबंधित प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।																									

प्रश्न करना																											
विभिन्न व्यवसाय, संचार व यातायात के साधनों, सड़क सुरक्षा के नियमों के विषय में जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																											
प्रयोग करना																											
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।																											
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट/नारा लेखन/कविता/पोस्टर का निर्माण कर पाना।																											
चन्द्रमा के आकार व मौसम के पेटर्न को अवलोकन व अनुभव के आधार पर रिकॉर्ड कर पाना।																											
न्याय व समता के प्रति सरोकार																											
दिव्यांग एवं बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।																											
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।																											
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																											
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों को समझ पाना एवं सम्मान कर पाना।																											
राष्ट्रीय पर्व, प्रतीक और त्योहारों के बारे में जानकर सम्मान कर पाना।																											

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

कक्षा–3

(योगात्मक मूल्यांकन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएं, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं, शिक्षक अनुभव, विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य एवं पेपर–पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक–प्रथम टर्म–हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म–हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म–हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																										
इन्द्रियों की मदद से संबंधित घटक की विषयवस्तु से सूचनाओं का संग्रह कर पाना एवं मिलती–जुलती परिस्थितियों/वस्तुओं के बीच अन्तर कर पाना। ।	I																									
	II																									
	III																									
संबंधित घटक की विषयवस्तु से एक निश्चित क्रम में होने वाली घटनाओं को पहचान पाना।	I																									
	II																									
	II																									
संबंधित विषयवस्तु के चित्रों, सारणियों व मानचित्रों का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक–प्रथम टर्म–हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म–हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म–हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																										
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन कर जानकारी/विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रुप से व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
अपने अनुभवों को सुना पाना एवं लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
विषयवस्तु से संबंधित अपने विचार व राय को अभिव्यक्त कर पाना एवं दूसरों के विचारों को सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

वर्गीकरण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक–प्रथम टर्म–हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म–हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म–हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन द्वारा स्पष्ट लक्षणों के आधार पर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित विषयवस्तु की किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
व्याख्या/विश्लेषण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म – हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म – हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना व अनुमान लगा पाना।	I																												
	II																												
	III																												
अवलोकन एवं सम्बन्धों की व्याख्या करने हेतु विषयवस्तु से संबंधित परिकल्पनाओं का निर्माण कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
प्रयोगों/अनुभवों से मिली जानकारियों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																												
	II																												
	III																												
प्रश्न करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक–प्रथम टर्म–हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म–हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म–हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
घटक से संबंधित विषयवस्तु की जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
प्रयोग करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक–प्रथम टर्म–हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म–हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म–हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
संबंधित विषय–वस्तु की मानक व अमानक इकाइयों का प्रयोग कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												

विषयवस्तु से संबंधित प्रयोग के उपकरणों व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना एवं गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																										
	II																										
	III																										
परिवेश में विषय–वस्तु से संबंधित उपलब्ध सामग्री से नई चीजें बना पाना।	I																										
	II																										
	III																										
न्याय व समता के प्रति सरोकार (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक–प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म–हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म–हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																											
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों/पर्यावरण (जीव–जन्तुओं व पेड़–पौधों सहित) के प्रति संवेदनशील होना।	I																										
	II																										
	III																										
सामाजिक व पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																										
	II																										
	III																										
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक–प्रथम टर्म–हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, द्वितीय टर्म–हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, तृतीय टर्म–हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																											
परिवार, समाज व प्रेरक व्यक्तित्व के कार्यों एवं गुणों को समझते हुए उनका सम्मान करना और गुणों को आत्मसात कर पाना।	I																										
	II																										
	III																										
परिवेश में आयोजित तीज–त्योहार, उत्सव, मेले आदि की जानकारी प्राप्त कर उनके महत्त्व को समझ पाना एवं मित्रों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार कर पाना।	I																										
	II																										
	III																										

निर्देश–शिक्षक पेपर–पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक मूल्यांकन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए तथा योगात्मक आकलन लेते समय निर्धारित पाठ्यक्र को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाए।

टर्म 1 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक — अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
इन्द्रियों की मदद से विषय वस्तु (परिवार, फूलों का उपयोग, पेड़–पौधों को जल की आवश्यकता, समूह में व्यवहार) से संबंधित सूचनाओं को बता व दर्ज कर पाना।																									
एकल एवं संयुक्त परिवार, महिला–पुरुष के लिए अवसर, मिलते–जुलते पेड़–पौधों, फूलों के आकार, जीव–जन्तुओं के बीच अंतर एवं असमानताओं को पहचान पाना।																									
विभिन्न प्रकार के खेलों की प्रक्रियाओं, जीवों के अपने समूह में व्यवहार के क्रम को पहचान कर व्यक्त कर पाना।																									
पानी के गुण, भाप बनकर उड़ने की प्रक्रिया, जमाव, वाष्प की शक्ति, मौसम के अनुसार जल स्तर में परिवर्तन को समझ पाना।																									
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति / चर्चा) करना																									
परिवार, खेल, पेड़–पौधों व जीव–जन्तुओं से संबंधित विषय वस्तु के वर्णन, टिप्पणी, सूचनाओं आदि के अवलोकन, जानकारियों एवं विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक / लिखित / रेखाचित्रों / तालिकाओं / चार्ट आदि के माध्यम से)																									
विषयवस्तु से संबंधित (समय के साथ परिवार की सोच एवं आकार) अपने अनुभव / विचार / राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।																									
दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
क्षेत्र से संबंधित जानकारी एवं अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर पहचान पाना।																									
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं व फूलों के आकार (रंग, गंध, उपयोग, लक्षणों, आकार, सजावट व औषधीय महत्त्व) के समूह को पहचान कर अंतर व वर्गीकृत कर पाना।																									
किसी एक विशेषता के आधार पर इनके बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।																									

व्याख्या / विश्लेषण करना																									
अपने अनुभवों के आधार पर परिवेश व संस्कृति (खेलों के महत्त्व, फूलों से जुड़े व्यवसाय, फूलों की वृद्धि व उपलब्धता) की व्याख्या कर पाना।																									
जल के गुण, उपयोग, संरक्षण, प्रदूषण, शुद्धिकरण व परिघटनाओं का अनुमान आदि की व्याख्या कर पाना।																									
दैशिक मात्राओं (स्थानीय मानक) तथा नदियों को भारत के मानचित्र में चिह्नित कर पाना ।																									
विषयवस्तु (फूलों के डिजाइन, उपयोग, पेड–पौधे की जड़, तने में विविधता एवं पौधारोपण के महत्त्व) से संबंधित जानकारियों, तथ्यों व अवलोकनों के आधार पर व्याख्या / निष्कर्ष कर पाना।																									
प्रश्न करना																									
परिवार, खेल, पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं एवं ज्ञानेन्द्रियों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
प्रयोग / गतिविधि / जाँच के दौरान (पेड़–पौधों की सुरक्षा, भाप बनकर उड़ने की प्रक्रिया) प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।																									
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का सावधानीपूर्वक उपयोग करते हुए नई चीजें / मॉडल / चार्ट बना पाना।																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
विशेष योग्यजन (दिव्यांग) एवं बुजुर्ग व्यक्तियों / पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना एवं उचित–अनुचित व्यवहार (गुड टच एवं बेड टच) को समझ पाना।																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं, रूढ़िबद्ध सोच, जेंडर संवदेनशीलता के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना एवं समाधान के प्रयास कर पाना।																									
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																									
प्रेरक व्यक्तित्व / गौरवशाली लोगों के कार्यों को समझ कर उनके कार्यों की प्रशंसा व सम्मान कर पाना।																									
आपसी सहयोग की आवश्यकता एवं खेल भावना का ध्यान रख पाना।																									

टर्म 2 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 4

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																										
परिवेश में उपलब्ध जल, भोजन, सामूहिक भोज, फसल, मेले एवं पक्षियों आदि से संबंधित सूचनाओं के रिकॉर्ड/जानकारियों को बता पाना।																										
विभिन्न फसलों/पक्षियों की विविधता (चोंच, पंजे, भोजन में सहायक, घोंसला) दॉत, कृषि उत्पादन, रेगिस्तान, जल बहुलता, राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत आदि के बीच अन्तर व समानता खोज पाना व पहचान पाना।																										
एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं, अतीत व वर्तमान के आवास, निर्माण कौशल, सामग्री की बाजार से घर तक पहुँच एवं सफाई का महत्त्व/कचरा निस्तारण/दुष्परिणाम/उपाय को बता पाना।																										
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																										
विषयवस्तु के वर्णन, सूचनाओं आदि से प्राप्त जानकारियों के आधार पर अपने विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।																										
जल और खान–पान से जुड़े अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना एवं दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।																										
वर्गीकरण करना																										
भोजन एवं पक्षियों की चोंच व पंजे से संबंधित जानकारी को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।																										
किसी एक विशेषता के आधार पर भोजन/पक्षी/फसल/उपकरण/ दाल–मसाले/अनाज/गौरवशाली व्यक्तित्व आदि के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।																										
व्याख्या/विश्लेषण करना																										
अलग–अलग मौसम की फसलों, फल, सब्जियों, पानी के बारे में एवं घोंसला बनाने की प्रक्रिया की व्याख्या कर पाना।																										

विषयवस्तु (पंजों के कार्य, जीभ, दाँत का महत्त्व, दुर्व्यसन के परिणाम, मेलों का महत्त्व व प्लास्टिक का पुनःचक्रण) से संबंधित जानकारियों, तथ्यों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।																										
प्रश्न करना																										
पक्षियों की चोंच व पंजों की विविधता के बारे में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																										
विशेष अवसरों पर बनने वाले भोजन की विधि, स्थानीय गौरव, मेले, अतीत व वर्तमान के उपकरण/कौशल से संबंधित जानकारी हेतु प्रश्न कर पाना।																										
प्रयोग करना																										
प्रयोग/गतिविधि/जाँच के दौरान (मानचित्र में अंकन, जल शुद्धिकरण, भोजन को सुरक्षित रखने के तरीके, इद्रियों की सफाई) प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।																										
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट बना पाना।																										
न्याय व समता के प्रति सरोकार																										
बालश्रम एवं बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील होना, भोजन की आवश्यकता एवं भोजन को खराब होने से बचाने के प्रति संवदेनशील होना।																										
सामाजिक, पारिवारिक असमानताओं व पर्यावरण के प्रति सचेत एवं जागरूक रह पाना।																										
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																										
राष्ट्रीयता, सदाचार, प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों को समझ पाना।																										
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों (महापुरुष, वीरांगना, खिलाड़ी व वैज्ञानिक) एवं राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान कर पाना।																										

टर्म 3 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 4

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक ⟶	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
परिवेश में उपलब्ध कपड़ों (पोशाक) व संचार/यातायात के साधनों/ऐतिहासिक/पर्यटन स्थल/सांस्कृतिक विविधिता को पहचान कर दर्ज (रिकॉर्ड) कर पाना।																									
विभिन्न साधनों/कपड़ों/देशी–विदेशी मुद्रा/अतीत–वर्तमान के सिक्कों के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।																									
विभिन्न संचार/यातायात के साधनों के उपयोग/भवन निर्माण की एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं को पहचान पाना।																									
विषय सामग्री से संबंधित तस्वीरों, सारणियों व मानचित्रों को समझकर पढ़ पाना।																									
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा)																									
विषयवस्तु के वर्णन, टिप्पणी, सूचनाओं, क्षेत्रीय यातायात व कपड़े एवं विभिन्न व्यवसाय आदि से संबंधित जानकारियों एवं अपने विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।																									
यात्रा, यातायात के नियम, विभिन्न कपड़ों/प्रथाओं/विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों से संबंधित अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।																									
विरासत/सांस्कतिक विविधता/पेन्टिग/मुद्रा से संबधित दूसरों के विचार/राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
यातायात के साधनों/मानचित्रों/पर्यटन स्थलों/मुद्रा को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।																									
परिवहन के साधनों/मानचित्रों/पर्यटन स्थलों/मुद्रा/सांस्कृतिक विविधता (बोली, वेशभूषा और आभूषण) को समानता/असमानता के आधार पर समूह बनाकर पहचान कर पाना।																									

व्याख्या/विश्लेषण करना																									
वस्त्र बनाने के चरण, घर तक पहुँचने की प्रक्रिया, निर्माण कौशल, यातायात के साधनों, विभिन्न संस्थाओं की भूमिका की उपयोगिता की व्याख्या कर पाना।																									
विषयवस्तु से संबंधित प्रयोग/अनुभव/दिशा एवं संकेतों के आधार पर मानचित्र को पढ़कर मिली जानकारियों, तथ्यों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।																									
प्रश्न करना																									
अतीत और वर्तमान की विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं आदि की विषय सामग्री को जानने हेतु प्रश्न निर्माण कर पाना।																									
अतीत व वर्तमान के भवन निर्माण के चरण/कौशल, वितरण प्रणाली, यातायात के साधन, पर्यटक स्थलों, सांस्कृतिक विविधता, संग्रहालय की जानकारी हेतु परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																									
प्रयोग करना																									
प्रयोग/गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना (जैसे–वस्त्रों की रंगाई, छपाई)																									
क्षेत्रीय आवास का रेखांकित चित्र/नजरी नक्शा बना पाना एवं संकेत चिह्नों का अंकन कर पाना।																									
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए रेलवे टिकिट/समय सारणी/मॉडल/चार्ट/कोलाज/स्क्रेपबुक/साइनबोर्ड आदि बना पाना।																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार																									
सहयात्रियों, विभिन्न प्रकार के कार्य, विविध सांस्कृतिक एवं भौगोलिक परिवेशीय लोगों के प्रति संवेदनशील होना।																									
पर्यावरण, सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व मुद्दों को उठा पाना।																									
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																									
विभिन्न व्यवसायों में लगे लोगों के कार्यों को समझकर उनका सम्मान कर पाना।																									
राजस्थान में बनने वाले वस्त्रों व विभिन्न राज्यों की पोशाकों की प्रशंसा कर पाना।																									

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

कक्षा–4

(योगात्मक मूल्यांकन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन, चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएं, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर–पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
इन्द्रियों की मदद से संबंधित घटक की विषयवस्तु से सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संबंधित घटक की विषयवस्तु से मिलती–जुलती परिस्थितियों/वस्तुओं के बीच अन्तर कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संबंधित विषयवस्तु से एक निश्चित क्रम में होने वाली घटनाओं को पहचान पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संबंधित विषयवस्तु के चित्रों, सारणियों व मानचित्रों का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन कर जानकारी एवं विचार को व्यवस्थित व स्पष्ट रुप से व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

अपने अनुभवों को सुना पाना व लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
समूह में अपने विचार व राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
चर्चा में दूसरों के विचारों को सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त करना (विषयवस्तु से संबंधित जानकारी)	I																									
	II																									
	III																									
वर्गीकरण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																										
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन द्वारा स्पष्ट लक्षणों के आधार पर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संबंधित विषयवस्तु की किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
व्याख्या / विश्लेषण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना व अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
	III																									
अवलोकन एवं सम्बन्धों की व्याख्या करने हेतु विषयवस्तु से संबंधित परिकल्पनाओं का निर्माण कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

प्रयोगों/अनुभवों से मिली जानकारियों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
	III																									
प्रश्न करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
प्रयोग करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
विषय–वस्तु से संबंधित प्रयोग के उपकरणों व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
मानक व अमानक इकाइयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
विषयवस्तु से संबंधित गतिविधियों के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
परिवेश में उपलब्ध सामग्री से नई चीजें बना पाना (विषयवस्तु से संबंधित)	I																									
	II																									
	III																									

न्याय व समता के प्रति सरोकार (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																											
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना एवं पर्यावरण (जीव–जन्तुओं व पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																										
	II																										
	III																										
सामाजिक व पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न करना।	I																										
	II																										
	III																										
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																											
परिवार, समाज व प्रेरक व्यक्तित्व के कार्यों एवं गुणों को समझते हुए उनका सम्मान करना और गुणों को आत्मसात कर पाना।	I																										
	II																										
	III																										
परिवेश में आयोजित तीज–त्योहार, उत्सव, मेले आदि की जानकारी प्राप्त कर उनके महत्त्व को समझ पाना एवं भाईचारे की भावना से व्यवहार कर पाना।	I																										
	II																										
	III																										

निर्देश–शिक्षक पेपर पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक मूल्यांकन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए तथा योगात्मक आकलन लेते समय निर्धारित पाठ्यक्र को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाए।

टर्म 1 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																										
परिवेश में उपलब्ध जीव–जन्तु/परिवार/पेड़–पौधों/खेलों एवं स्वच्छता से संबंधित सूचनाओं को बता पाना।																										
सम्प्रेषण कौशल (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
एकल एवं संयुक्त परिवार, रिश्ते, वंश–वृक्ष, गोद लेना एवं वंशानुगत समानताएँ एवं अंतर को बता पाना।																										
ब्रेल–लिपि एवं सांकेतिक भाषा की जानकारी बता पाना।																										
ईंधन/वन–संरक्षण हेतु हुए आंदोलन की आवश्यकता/वृक्षारोपण/दैनिक जीवन में जल की आवश्यकता, जल के उपलब्ध होने की प्रक्रिया, तकनीक तथा जल संरक्षण पर चर्चा कर अपने तर्क बता पाना एवं खुले में शौच मुक्ति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त कर पाना।																										
वर्गीकरण करना																										
चींटियों के कार्य व बीजों के अंकुरण, समान पेड़–पौधों एवं जीव–जन्तुओं के समूह को देख कर पहचान कर पाना।																										
किसी एक विशेषता के आधार पर इनके बड़े समूह में से उप समूह निर्मित कर पाना।																										
व्याख्या/विश्लेषण करना																										
योग, व्यायाम, खेलकूद की आवश्यकता एवं महत्त्व की व्याख्या कर पाना।																										
बीजों के प्रकीर्णन में जीव–जन्तुओं और मनुष्य की भूमिका/देशी–विदेशी पौधों की जानकारी/पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं तथा मनुष्यों में परस्पर निर्भरता का वर्णन कर पाना।																										
जल–शुद्धिकरण, जल–स्त्रोत, वर्षाजल एकत्रीकरण, सिंचाई के विभिन्न तरीके, साधन, पृथक–पृथक फसल हेतु पानी की आवश्यकता एवं दूषित जल से फैलने वाले रोगों के कारण व निवारण पर चर्चा कर व्याख्या कर पाना।																										

जलीय पौधे/जन्तुओं को समझना तथा उनके अनुकूलन/पशु–पक्षियों की अति संवेदी इन्द्रियों और असाधारण लक्षणों (दृष्टि, गन्ध, श्रवण, नींद) के आधार पर ध्वनि व भोजन के प्रति उनकी प्रतिक्रिया की व्याख्या कर पाना।																										
प्रश्न करना																										
परिवार की अवधारणा, विस्थापन के कारण, समस्या एवं नये व्यवसायों के बारे में परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																										
प्रयोग करना																										
विषयवस्तु के अनुसार परिवेश में उपलब्ध साधनों के माध्यम से दैनिक जीवन में किये जाने वाले कार्यो को प्रयोग द्वारा बता पाना।																										
बीज–अंकुरण के प्रयोग/गतिविधि/जांच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना एवं प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग तथा मॉडल/चार्ट बना पाना।																										
न्याय व समता के प्रति सरोकार																										
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व बुर्जुग व्यक्तियों के प्रति संवदनशील होना।																										
स्वच्छता को महत्त्व देते हुए पर्यावरण/पौधारोपण के प्रति जागरूक रह पाना।																										
एक–दूसरे के कार्यो का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																										
प्रेरक व्यक्तियों/वैज्ञानिकों का सम्मान व उनके कार्यों की प्रशंसा कर पाना।																										

टर्म 2 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 5

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
परिवेश में उपलब्ध जल–स्त्रोत, सिंचाई के साधनों, खान–पान एवं मापन की ईकाईयों आदि से संबंधित सूचनाओं/जानकारियों को बता पाना।																									
खेती करने की प्रक्रिया, उपकरणों (परम्परागत व आधुनिक उपकरणों) की जानकारी एवं खेती में किए जाने वाले कार्यों को बता पाना।																									
सम्प्रेषण कौशल (अभिव्यक्ति/चर्चा)																									
भोजन, जल–स्रोतों, दूषित–जल व यात्रा से जुड़े अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।																									
जिला व राज्य के मानचित्र का पठन कर पाना/आपदा तथा आपातकालीन स्थिति से निपटने, ईंधन संरक्षण तथा सामुदायिक सहायता के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त कर पाना एवं सुझाव दे पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
विषय–वस्तु से संबंधित जानकारी को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।																									
व्याख्या/विश्लेषण करना																									
गन्दे पानी के एकत्रित होने से फैलने वाले रोगों के लक्षणों व उनका निवारण करना। वर्तमान तथा अतीत के भवनों/आवासों के निर्माण में क्षेत्रीय वातावरण (रेगिस्तान, तटीय व बर्फ के घर आदि), आर्थिक स्थिति के आधार पर हुए परिवर्तनों की व्याख्या कर पाना।																									
तरल पदार्थों के मापन की इकाइयों, भोजन की पाचन–क्रिया, पाचन–तन्त्र के अंगो का महत्त्व, भोजन में पोषक तत्वों का महत्त्व/कमी के प्रभाव तथा कृमि–नियन्त्रण को समझ पाना।																									
भोजन के दूषित होने/खाद्य–सामग्री के संरक्षण के उपाय व भोजन–सम्बन्धित अच्छी आदतों की जानकारी बता पाना।																									

यातायात के नियमों, वायु एवं ध्वनि– प्रदूषण के कारण, दुष्परिणाम व निवारण के उपायों, विभिन्न प्रकार के ईंधन के बदलते स्वरूप की प्रक्रिया, विवेकपूर्ण उपयोग एवं उपलब्धता की व्याख्या कर पाना।																										
प्रश्न करना																										
विषयवस्तु से संबंधित जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																										
प्रयोग करना																										
पानी में घुलनशील व अघुलनशील तैरने व डूबने वाली वस्तुओं का प्रयोग कर निष्कर्ष निकाल पाना तथा अन्य प्रयोग/गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।																										
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट/क्षेत्रीय आवास का रेखाचित्र/नजरी नक्शा/नारा लेखन/कोलाज/कविता की रचना कर पाना।																										
न्याय व समता के प्रति सरोकार																										
दूषित जल/भोजन से होने वाले रोगों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक हो पाना।																										
आपदा प्रभावित, विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोगों के प्रति संवेदनशील हो पाना एवं सामाजिक, पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत व उसके सन्दर्भ में चिंतित हो पाना।																										
एक–दूसरे के कार्यो का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																										
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यो को जानना व उनके गुणों की प्रशंसा/सम्मान कर पाना।																										
अपने जिले और राज्य की विशेषताओं की प्रशंसा कर पाना।																										

टर्म 3 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा 5

निर्देश– टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उदेद्श्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक /अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना																									
ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को पहचान पाना।																									
विभिन्न किले, दुर्ग/ग्रहों के बीच अन्तर/समानता को खोज पाना तथा विषय सामग्री से सम्बन्धित तस्वीरों, सारणियों का समझ कर पढ़ पाना।																									
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																									
मारी ऐतिहासिक धरोहरों/स्मारकों के बारे में भ्रमण से अथवा बड़ो से जानकारी प्राप्त कर स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।																									
वर्गीकरण करना																									
राज्य के किले/दुर्ग, आकाशीय पिंडों को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत करना तथा समानता/असमानता के आधार पर समूह में वर्गीकृत कर पाना																									
दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।																									
व्याख्या/विश्लेषण करना																									
विभिन्न ऐतिहासिक स्मारक/संग्रहालय, धरोहर की जानकारी कर व्याख्या कर पाना।																									
पर्वतारोही की जीवनी तथा पर्वतारोहण के लिए आवश्यक उपकरणों की जानकारी व्यक्त कर पाना।																									
अन्तरिक्ष यात्रा हेतु की जाने वाली तैयारियों एवं सावधानियों की व्याख्या कर पाना तथा सौरमण्डल/चन्द्रमा की कलाओं/सप्तऋषि मण्डल की व्याख्या व उनका चित्रण कर पाना।																									

प्रश्न करना																										
ऐतिहासिक स्मारक, किले, दुर्ग, आकाशीय पिण्डों, पर्वतारोहण, चन्द्रमा की कलाओं, सप्तऋषि मण्डल की जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।																										
प्रयोग करना																										
पर्वतारोहण से पूर्व की तैयारी, पर्वतारोहण के अनुभवों को क्रमबद्ध कर पाना।																										
तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए सौरमण्डल के ग्रहों/ सप्तऋषि मण्डल/पर्वतारोहण में काम आने वाले उपकरणों, चन्द्रमा की कलाओं का चार्ट/मॉडल बना पाना।																										
न्याय व समता के प्रति सरोकार																										
पर्यावरण व ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूक रह पाना।																										
एक–दूसरे के कार्यो का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																										
हमारे गौरव (पर्वतारोही, अन्तरिक्ष यात्री) की जीवनी से प्रेरणा प्राप्त करना एवं उनके प्रति सम्मान प्रकट कर पाना।																										
राजस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर की प्रशंसा कर पाना।																										

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

कक्षा–5

(योगात्मक मूल्यांकन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन, चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएं, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर–पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन)																										
इन्द्रियों की मदद से संबंधित घटक की विषय–वस्तु से सूचनाओं का संग्रह कर पाना एवं मिलती–जुलती परिस्थितियों/वस्तुओं के बीच अन्तर कर पाना। ।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित एक निश्चित क्रम में घटित होने वाली घटनाओं को पहचान पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित चित्रों, सारणियों व मानचित्रों का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन)																										
विषयवस्तु से संबंधित अवलोकन/जानकारी/विचार को व्यवस्थित कर स्पष्ट रुप से व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
अपने अनुभवों को सुना पाना एवं लिख पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित अपने विचार व राय को अभिव्यक्त कर पाना एवं दूसरे के विचारों को सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना ।	I																									
	II																									

वर्गीकरण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट लक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या / विश्लेषण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना व अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
प्रयोगों/अवलोकन से प्राप्त अनुभवों के आधार पर सम्बन्धों की व्याख्या करने हेतु परिकल्पनाओं का निर्माण कर पाना एवं निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
प्रयोग करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना एवं परिवेश में उपलब्ध सामग्री से नई चीजें बना पाना।	I																									
	II																									
मानक व अमानक इकाइयों का प्रयोग कर पाना एवं गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																									
	II																									

न्याय व समता के प्रति सरोकार (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना एवं पर्यावरण (जीव–जन्तुओं व पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									
सामाजिक व पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न करना।	I																									
	II																									
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन**)**																										
परिवार, समाज व प्रेरक व्यक्तित्व के कार्यों एवं गुणों को समझते हुए उनका सम्मान करना और गुणों को आत्मसात कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेश में आयोजित तीज–त्योहार, उत्सव, मेले आदि की जानकारी प्राप्त कर उनके महत्त्व को समझ पाना एवं भाईचारे की भावना से व्यवहार कर पाना।	I																									
	II																									

निर्देश–शिक्षक पेपर–पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक मूल्यांकन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए एवं तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर आयोज्य प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन के समय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाना है।

''आपकी सजगता, बच्चे की सुरक्षा''

बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार

20/198, सेक्टर-2, कावेरी पथ, के.एल. सैनी स्टेडियम के पास मानसरोवर, जयपुर फोन : 0141-2399335

Email : ccosjerajasthan@gmail.com, dcr@rajasthan.gov.in • Website : www.dcrraj.in

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।

खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

ब्लॉक -5, डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)